mercredi 2 mai 2012

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 11

मूर्खों का साथ हमेशा दुखदायी

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय जहाँ कहीं भी जाते, जब भी जाते, अपने साथ हमेशा तेनालीराम को जरूर ले जाते थे। इस बात से अन्य दरबारियों को बड़ी चिढ़ होती थी। एक दिन तीन-चार दरबारियों ने मिलकर एकांत में महाराज से प्रार्थना की, 'महाराज, कभी अपने साथ किसी अन्य व्यक्ति को भी बाहर चलने का अवसर दें।' राजा को यह बात उचित लगी और उन्होंने दरबारियों को विश्वास दिलाया कि वे उन्हें घूमने-फिरने का अवसर अवश्य देंगे।

एक बार जब राजा वेश बदलकर कुछ गाँवों के भ्रमण को जाने लगे तो अपने साथ उन्होंने तेनालीराम को न लेकर दो अन्य दरबारियों को साथ ले लिया। घूमते-घूमते वे एक गाँव के खेतों में पहुँच गए जहाँ कुछ किसान बैठे गपशप कर रहे थे। राजा ने किसानों से पूछा, 'कहो भाई लोगों, तुम्हारे गाँव में कोई व्यक्ति कष्ट में तो नहीं है? अपने राजा से कोई असंतुष्ट तो नहीं है?' गाँववाले बोले, 'महाशय, हमारे गाँव में खूब शांति है, चैन है। सब लोग सुखी हैं। किसी को कोई दुख नहीं है। राजा अपनी प्रजा को अपनी संतान की तरह प्यार करते हैं, इसलिए असंतुष्ट होने का सवाल ही नहीं ।

'इस गाँव के लोग राजा को कैसा समझते हैं ?' राजा ने एक और प्रश्न किया। राजा के इस सवाल पर एक बूढ़ा किसान उठा और ईख के खेत में से एक मोटा-सा गन्ना तोड़ लाया। उस गन्ने को राजा को दिखाता हुआ वह बूढ़ा किसान बोला, "श्रीमान जी, हमारे राजा कृष्णदेव राय बिल्कुल इस गन्ने जैसे हैं।" अपनी तुलना एक गन्ने से होती देख राजा कृष्णदेव राय सकपका गए। उनकी समझ में यह बात बिल्कुल भी न आई कि इस बूढ़े किसान की बात का अर्थ क्या है? उनकी यह भी समझ में न आया कि इस गाँव के रहने वाले अपने राजा के प्रति क्या विचार रखते हैं? राजा ने अपने साथियों से पूछा, 'इस बूढ़े किसान के कहने का क्या अर्थ है?'

साथी राजा का यह सवाल सुनकर एक-दूसरे का मुँह देखने लगे। फिर एक साथी ने हिम्मत की और बोला, 'महाराज, इस बूढ़े किसान के कहने का साफ मतलब यही है कि हमारे राजा इस मोटे गन्ने की तरह कमजोर हैं। उसे जब भी कोई चाहे, एक झटके में उखाड़ सकता है। जैसे कि मैंने यह गन्ना उखाड़ लिया है।' राजा यह सुनकर गुस्से से भर गए और इस बूढ़े किसान से बोले, 'तुम शायद मुझे नहीं जानते कि मैं कौन हूँ?' राजा की क्रोध से भरी वाणी सुनकर वह बूढ़ा किसान डर के मारे थर-थर काँपने लगा।

तभी झोंपड़ी में से एक अन्य बूढ़ा उठ खड़ा हुआ और बड़े नम्र स्वर में बोला-'महाराज, हम आपको अच्छी तरह जान गए हैं, पहचान गए हैं, लेकिन हमें दुख इस बात का है कि आपके साथी ही आपके असली रूप को नहीं जानते। मेरे साथी किसान के कहने का मतलब यह है कि हमारे महाराज अपनी प्रजा के लिए तो गन्ने के समान कोमल और रसीले हैं किंतु दुष्टों और अपने दुश्मनों के लिए महानतम कठोर भी।' उस बूढ़े ने एक कुत्ते पर गन्ने का प्रहार करते हुए अपनी बात पूरी की। इतना कहने के साथ ही उस बूढ़े ने अपना लबादा उतार फेंका और अपनी नकली दाढ़ी-मूँछें उतारने लगा। उसे देखते ही राजा चौंक पड़े। 'तेनालीराम, तुमने यहाँ भी हमारा पीछा नहीं छोड़ा।' 'इन लोगों का पीछा कैसे छोड़ता महाराज? अगर मैं पीछा न करता तो ये मूर्ख वचन इन सरल हृदय किसानों को मौत के घाट ही उतरवा देते।'

'तुम ठीक ही कह रहे हो, तेनालीराम। मूर्खों का साथ हमेशा दुखदायी होता है। भविष्य में मैं कभी तुम्हारे अलावा किसी और को साथ नहीं रखा करूँगा।' उन सबकी आपस की बातचीत से गाँववालों को पता चल ही गया था कि उनकी झोंपड़ी पर स्वयं महाराज पधारे हैं और वेश बदलकर पहले से उनके बीच बैठा हुआ आदमी ही तेनालीराम है तो वे उनके स्वागत के लिए दौड़ पड़े। राजा कृष्णदेव राय उन ग्रामवासियों का प्यार देखकर आत्मविभोर हो गए।

Vocabulaire

दुखदायी donnant malheur
दरबारी-m courtisan
चिढ़ना être mécontent, vexé
एकांत-m solitude
प्रार्थना-f prière
अन्य autre
अवसर-m opportunité
उचित approprié
वेश-m habillement
भ्रमण-m excursion
किसान-m fermier
गपशप-f bavardage
कष्ट-m souffrance
असंतुष्ट insatisfaction
महाशय-m monsieur
शांति-f paix
चैन-m répit
सुखी heureux
संतान-f progéniture
प्रश्न-m question
ईख-f canne à sucre
गन्ना-m canne à sucre
सकपकाना être surpris
अर्थ-m sens
(के) प्रति envers/1 copie
सवाल-m question
साथी-m compagnon
हिम्मत-f courage
साफ propre
मतलब-m sens
कमजोर faible
झटका-m coup sec
उखाड़ना déraciner
शायद peut-être
क्रोध-m colère
वाणी-f parole
काँपना trembler
स्वर-m voyelle, voix
कोमल doux
रसीला juteux
दुष्ट voyou
दुश्मन-m ennemi
महानतम le plus grand
कठोर dur
प्रहार-m coup (frappe)
लबादा-m manteau
चौंकना sursauter
सरल-हृदय innocent
मौत-f mort
घाट-m bord
दुखदायी douloureux
भविष्य-m futur
झोंपड़ी-f hutte
स्वागत-m bienvenu
ग्रामवासी-m villageois
आत्मविभोर content